एम.पी.ए.

# एम.ए (लोक प्रशासन)

## द्वितीय वर्ष

## सत्रीय कार्य

## 2025—2026

एम.ए लोक प्रशासन प्रथम वर्ष के पाठ्यक्रम के लिए

जुलाई 2025 और जनवरी 2026 सत्रों के लिए


सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ

इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

मैदान गढ़ी, नई दिल्ली - 110068


,

# सत्रीय कार्य
# 2025—2026

प्रिय विद्यार्थी,

आपको प्रत्येक पाठ्यक्रम में एक सत्रीय कार्य करना है। सभी सत्रीय कार्य अनिवार्य हैं। प्रत्येक सत्रीय कार्य पूरे पाठ्यक्रम पर आधारित है।

सत्रीय कार्य के सभी प्रश्नों के उत्तर आप अपने शब्दों में दें। यह अत्यंत आवश्यक है कि प्रश्न का उत्तर जितने शब्दों में देने के लिए कहा जाए उसका उत्तर लगभग उतने ही शब्दों में दीजिए।

सत्रीय कार्य पूरा करने के बाद आप इसे अपने अध्ययन केन्द्र के संयोजक के पास जमा करें। सत्रीय कार्य जमा करने के बाद इसकी पावती अवश्य प्राप्त कर लें और इसे अपने पास संभाल कर रख लें। अच्छा हो कि आप अपने सत्रीयकार्यों के उत्तर की फोटोकॉपी भी अपने पास रख लें।

सत्रीय कार्यों के उत्तर जाँचने के बाद जाँचे गये उत्तर अध्ययन केन्द्र से आपको लौटा दिए जाएँगे। आप इसकी माँग अवश्य करें। अध्ययन केन्द्र आपके द्वारा प्राप्त अंक विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग, इग्नू, दिल्ली को भेज देगा। इसे आपके ग्रेड कार्ड में शामिल कर लिया जाएगा।

**सत्रीय कार्य जमा करना**

आपको इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि सत्रांत परीक्षा देने से पहले आप सत्रींय कार्य अवश्य जमा करा दें। इसलिए आपको यह सलाह दी जाती है कि आप इसे दी गई अवधि के भीतर पूरा कर लें। एम.ए. प्रथम वर्ष में आपको कुल मिलाकर 4 सत्रीय कार्य करने हैं। सभी सत्रीयकार्यों की जमा करने की अंतिम तारीख में आपको काफी समय दिया गया है लेकिन आपको हम यह सलाह देना चाहते हैं कि आप अपने पाठ्यक्रम के अध्ययन के साथ.साथ इसे बारी बारी से पूरा करते चलें और इसी हिसाब से आप उसे जमा भी करते जाएँ ताकि आपको अंक, परामर्शदाता की टिप्पणी और मूंल्याकित सत्रीय कार्य मिलते रहें। सुनियोजित ढंग से योजना बनाकर आप निर्धारित अवधि के भीतर अपने सारे सत्रीय कार्य पूरे कर सकते हैं। सभी सत्रीयकार्यो ं को जमा करने के लिए अंतिम तारीख का इंतजार नहीं करें क्योकि एक ही साथ सारे सत्रीयकार्यों को हल करना आपके लिए मुश्किल हो जाएगा।

सत्रीय कार्य जमा करना

| सत्र | सत्रीय कार्य जमा करने की तारीख | सत्रीय कार्य जमा करने का स्थान |
|---|---|---|
| जुलाई 2025 सत्र में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के लिए | 31 मार्च 2026 | अपने अध्ययन केन्द्र के संयोजक के पास |
| जनवरी 2026 सत्र में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के लिए | 30 सितंबर 2026 | |

सवालों का जवाब देने से पहले नीचे दिए गए निर्देशो ं को ध्यानपूर्वक पढ़िएः

**सत्रीय कार्य के लिए निर्देश**

इन सत्रीय कार्यों में दो तरह से सवाल पूछे जाएँगेः

1) प्रत्येक विवरणात्मक और निबंधात्मक प्रश्नों का उत्तर लगभग 500 शब्दों में देना होगा और प्रत्येक प्रश्न के लिए 20 अंक निर्धारित होंगे।

2) प्रत्येक लघु श्रेणी प्रश्नों का उत्तर लगभग 250 शब्दों में देना होगा और प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित होंगे।

निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखने से आपके लिए उत्तर देना आसान होगाः
**क) नियोजन** : सत्रीय कार्यों को ध्यान से पढ़िए। उन इकाइयों को ध्यान से पढ़िए जिनसे ये सवाल पूछे गए हैं। प्रत्येक सवाल का जवाब देने के लिए कुछ प्रमुख बिन्दुओं को अलग से लिख लें आ ैर इन्हें तार्किक ढंग से फिर से व्यवस्थित कर लें।

**ख) चयन** : अपने जवाब की रूपरेखा बनाते समय जरूरी बातों का ही उल्लेख करें। उत्तर को विश्लेषणात्मक बनाएँ। निबंधात्मक प्रश्न में प्रस्तावना और निष्कर्ष अवश्य शामिल करें। प्रस्तावना के अन्तर्गत उत्तर के प्रमुख पक्षों को प्रस्तुत करें और यह बताएँ कि आप इस सवाल का जवाब किस तरह से द ेने जा रहे हैं। अपने उत्तर के उपसंहार में मुख्य बिन्दुओं का सार भी दें।

उत्तर देते वक्त इस बात का ध्यान रखें किः

- आपका उत्तर तर्कसंगत और सुसंगत हो,
- वाक्यों और अनुच्छेद के बीच स्पष्ट संब ंध हो,
- आपकी शैली, अभिव्यक्ति और प्रस्तुति के साथ.साथ आपके उत्तर भी सही हों
- यह चेष्टा करें कि आपके उत्तर शब्द सीमा से अधिक न हों।

**क) प्रस्तुति** : जब आप संतुष्ट हो जाएँ तो सत्रीय कार्यजमा करने से पहले इसे साफ.साफ लिख लें। जिन

बिंदुओं पर आप बल देना चाहते हैं उन्हें रेखांकित भी कर सकते हैं।

**घ) व्याख्या** : इतिहास लेखन में व्याख्या एक निंरतर प्रक्रिया है। यह आपकी योजना और चयन में पहले ही अभिव्यक्त हो चुका है। "हो सकता है", "संभव है", "हो सकता था", आदि जैसी व्याख्यात्मक टिप्पणियाँ खुद बखुद लेखन में व्याख्या के तथ्य शामिल कर लेती हैं। यहाँ यह ध्यान रखना होगा कि इस प्रकार की टिप्पणियों के साथ. साथ आपके उत्तर में इसे पुष्ट करने वाले तथ्य भी शामिल होने चाहिए।

# एम.पी.ए.–015 लोक नीति और विश्लेषण

## अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोडःएम.पी.ए.- 015
सत्रीय कार्य कोड : ए.एस.टी./टी.एम.ए./2025–2026
पूर्णांक : 100

इस सत्रीय कार्य में खंड **I** और **II** हैं। प्रत्येक खंड में पांच प्रश्न हैं। आपको कुल पांच प्रश्नों का उत्तर देना है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में होना चाहिए। प्रत्येक खंड से कम से कम दो प्रश्नों का उत्तर देना आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

### सत्रीय कार्य I

1) लोक नीति के स्वरूप, विषय–क्षेत्र तथा महत्व की चर्चा कीजिए। 20
2) नीति विश्लेषण के लिए प्रणाली मॉडल का परीक्षण कीजिए। 20
3) नीति निर्माण में अंतः–सरकारी संबंधों की भूमिका का विश्लेषण कीजिए। 20
4) नीति निर्माण तथा विकास में अंतरराष्ट्रीय अभिकरण एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं टिप्पणी कीजिए। 20
5) निम्नलिखित में से प्रत्येक पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
   (क) नीति विश्लेषण की सीमाएं। 10
   (ख) नीति निर्माण में प्रधानमंत्री कार्यालय की भूमिका। 10

### सत्रीय कार्य II

6) नीति कार्यान्वयन में प्रशासनिक संगठनों तथा न्यायिक निकायो की भूमिका की व्याख्या कीजिए। 20
7) लोक नीतियों के कार्यान्वयन में विधायिका और न्यायपालिका के बीच संबंध की चर्चा कीजिए। 20
8) नीति मॉनिटरिंग के महत्व का वर्णन कीजिए तथा प्रभावकारी मॉनिटरिंग के लिए सुधारात्मक उपाय समझाइए। 20
9) नीति प्रभाव के महत्व तथा प्रकारों का वर्णन कीजिए। 20
10) निम्नलिखित में से प्रत्येक पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियां लिखिए।
   (क) नीति मूल्यांकन में समस्याएं। 10
   (ख) नीति कार्यान्वयन में समस्याएं। 10